चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 08 मई 2026, अंक –274.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

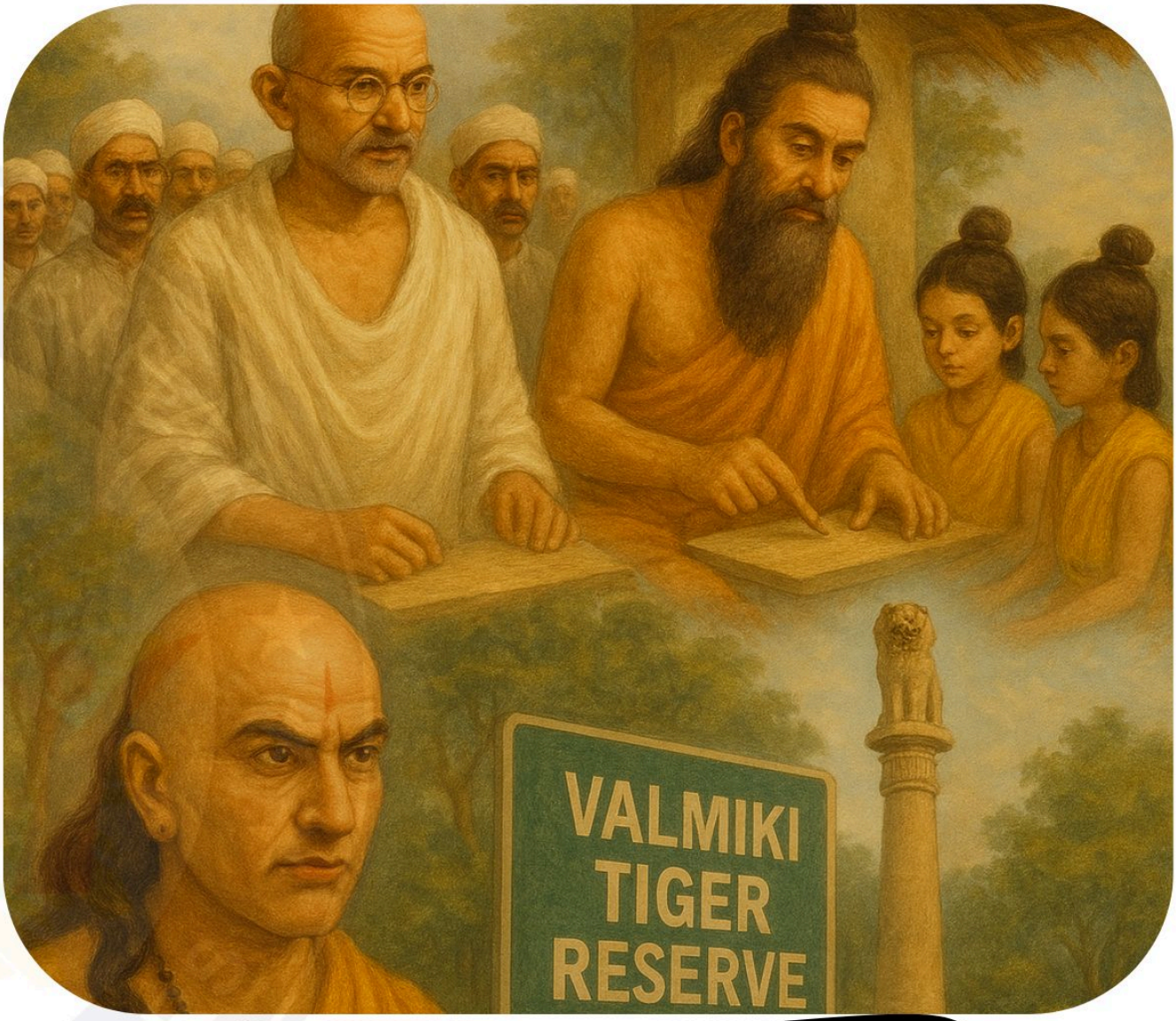

"भाग्य भी साहसी का ही साथ देता है।"

— चाणक्य

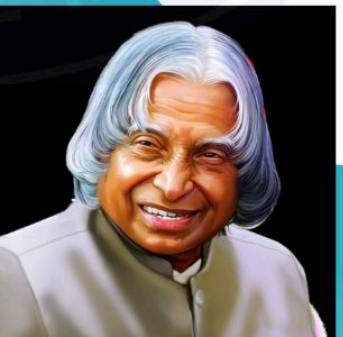

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. स्पेन की राजधानी क्या है?
उत्तर: मैड्रिड
प्रश्न 2. भारत के पहले उपराष्ट्रपति चुनाव कब हुए थे?
उत्तर: 1952
प्रश्न 3. बिहू पर्व में 'भोगाली बिहू' किस ऋतु से संबंधित है?
उत्तर: शीत ऋतु
प्रश्न 4. 0 से बड़ी और 1 से छोटी संख्याएँ किस प्रकार की होती हैं?
उत्तर: भिन्न
प्रश्न 5. बिहार में स्थित विश्व प्रसिद्ध 'महाबोधि मंदिर' किस शहर में है?
उत्तर: बोधगया
प्रश्न 6. डेजर्ट राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 7. टेलीविजन का रंगीन प्रसारण पहली बार किसने विकसित किया?
उत्तर: जॉन लॉगी बेयर्ड
प्रश्न 8. भारत में 'नीति आयोग' का गठन किस वर्ष हुआ?
उत्तर: 2015
प्रश्न 9. 'रामायण' और 'महाभारत' किस प्रकार की रचनाएँ हैं?
उत्तर: महाकाव्य
प्रश्न 10. जल का रासायनिक सूत्र क्या है?
उत्तर: H_2O

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Laptop – (लैपटॉप) – लैपटॉप
Mobile – (मोबाइल) – मोबाइल फोन
Charger – (चार्जर) – चार्जर
Battery – (बैटरी) – बैटरी
Internet – (इंटरनेट) – इंटरनेट
Message – (मैसेज) – संदेश
Call – (कॉल) – फोन कॉल

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "तुम ... नहीं रहे/रही हो" (You are not ...ing)

तुम पढ़ नहीं रहे/रही हो। – You are not reading.
तुम लिख नहीं रहे/रही हो। – You are not writing.
तुम खेल नहीं रहे/रही हो। – You are not playing.
तुम खा नहीं रहे/रही हो। – You are not eating.
तुम सीख नहीं रहे/रही हो। – You are not learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 08 मई को विश्व स्तर पर कौनसा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: रेड क्रॉस (Red Cross)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 8 मई को 'विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रीसेंट दिवस' मनाया जाता है। यह दिन इसके संस्थापक हेनरी ड्यूनेंट के जन्मदिन की याद में मनाया जाता है। यह संस्था युद्ध, प्राकृतिक आपदा और महामारी के समय बिना किसी भेदभाव के मानवीय सहायता पहुँचाने का कार्य करती है।
संदर्भ: International Committee of the Red Cross (ICRC), 2026.

2. हाल ही में संयुक्त राष्ट्र (UN) ने वर्ष 2026 को किस अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया है? (समसामयिकी)
उत्तर: रेंजलैंड्स और चरवाहा वर्ष
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र ने 2026 को 'International Year of Rangelands and Pastoralists' (IYRP) घोषित किया है। इसका उद्देश्य घास के मैदानों के संरक्षण और दुनिया भर के चरवाहों की आजीविका के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह सतत विकास और जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: United Nations General Assembly (UNGA) Report, 2026.

3. प्रसिद्ध संस्कृत नाटक 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' के रचयिता कौन हैं? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: कालिदास
व्याख्या: महाकवि कालिदास द्वारा लिखित 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' राजा दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कथा है। यह प्राचीन भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट रचना मानी जाती है। इसमें गुप्तकालीन समाज और संस्कृति की झलक मिलती है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं का एक प्रिय प्रश्न है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 11 Buildings, Paintings and Books, p. 119.

4. वह कौन सा काल्पनिक घेरा है जो पृथ्वी को उत्तर और दक्षिण दो बराबर भागों में बांटता है? (पर्यावरण/भूगोल)
उत्तर: विषुवत वृत्त (Equator)
व्याख्या: विषुवत वृत्त या भूमध्य रेखा शून्य डिग्री (0^{\circ}) अक्षांश है। यह पृथ्वी के बीचों-बीच स्थित है। यह रेखा विभिन्न जलवायु क्षेत्रों और पारिस्थितिक तंत्रों को समझने का आधार है। इसके उत्तर में उत्तरी गोलार्ध और दक्षिण में दक्षिणी गोलार्ध स्थित है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 2 Globe: Latitudes and Longitudes, p. 10.

5. बौद्ध भिक्षुओं के रहने के लिए चट्टानों को काटकर बनाए गए शरण-स्थलों को क्या कहा जाता है? (इतिहास)
उत्तर: विहार (Vihara)
व्याख्या: भिक्षु और भिक्षुणियों ने अपने शरण के लिए स्थायी निवास बनाए जिन्हें 'विहार' कहा गया। आरंभिक विहार लकड़ी के बने थे और बाद में इन्हें पहाड़ियों (जैसे पश्चिमी घाट) को काटकर बनाया गया। 'विहार' शब्द से ही 'बिहार' राज्य का नाम पड़ा है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 6 New Questions and Ideas, p. 62.

6. मानचित्र पर ऊपर की ओर दाहिने हाथ पर बना तीर का निशान किस दिशा को दर्शाता है? (भूगोल)
उत्तर: उत्तर (North)
व्याख्या: अधिकांश मानचित्रों में ऊपर की ओर एक तीर का निशान होता है, जिसके साथ 'उ' या 'N' लिखा होता है। यह उत्तर दिशा को दर्शाता है। एक बार उत्तर दिशा ज्ञात होने पर अन्य दिशाओं (दक्षिण, पूर्व, पश्चिम) का पता लगाना आसान हो जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 4 Maps, p. 25.

7. भारतीय संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष' (Secular) शब्द किस संशोधन द्वारा जोड़ा गया? (संविधान)
उत्तर: 42वाँ संशोधन
व्याख्या: 1976 के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्द जोड़े गए। इसका अर्थ है कि भारत का अपना कोई राजकीय धर्म नहीं है और राज्य सभी धर्मों का समान सम्मान करेगा।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 1 Constitution: Why and How?, p. 19.

8. लोहे को 'जंग' (Rusting) से बचाने के लिए उस पर जस्ते की परत चढ़ाने की प्रक्रिया क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: यशदलेपन (Galvanisation)
व्याख्या: लोहे को नमी और ऑक्सीजन से बचाने के लिए उस पर जिंक (जस्ता) की एक पतली परत चढ़ाई जाती है। इसे 'गैल्वेनाइजेशन' कहते हैं। यह प्रक्रिया लोहे की वस्तुओं, जैसे पाइप और पुलों की आयु बढ़ाती है। यह कक्षा 7 विज्ञान के रासायनिक परिवर्तन अध्याय का हिस्सा है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 6 Physical and Chemical Changes, p. 64

9. विश्व प्रसिद्ध 'पट्टाचित्र' कला का संबंध मुख्य रूप से किस राज्य से है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: ओडिशा
व्याख्या: पट्टाचित्र ओडिशा की एक पारंपरिक और प्राचीन चित्रकला है। इसमें कपड़ों के पटों (स्क्रॉल) पर हिंदू देवी-देवताओं और पौराणिक कथाओं के चित्र बनाए जाते हैं। यह अपनी बारीकी और प्राकृतिक रंगों के उपयोग के लिए जानी जाती है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, p. 128.

10. बिहार के किस स्थान पर प्रतिवर्ष एशिया का सबसे बड़ा 'पशु मेला' आयोजित होता है? (बिहार GK)
उत्तर: सोनपुर
व्याख्या: गंडक और गंगा नदी के संगम पर स्थित सोनपुर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध पशु मेला लगता है। इसे 'हरिहर क्षेत्र मेला' भी कहा जाता है। यह बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और व्यापारिक विरासत का प्रतीक है।
संदर्भ: Bihar Tourism Guide; NCERT Geography (Reference to rivers).

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, यदि बिजली के बोर्ड में आग लग जाए, तो सबसे पहले क्या करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: मेन स्विच (Main Switch) बंद
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (मई W2: अग्नि सुरक्षा) के अनुसार, बिजली से लगी आग की स्थिति में पानी का उपयोग कभी नहीं करना चाहिए। सबसे पहले मुख्य स्विच (Main Switch) को बंद कर बिजली की आपूर्ति काट देनी चाहिए ताकि करंट और आग फैलने से बचा जा सके।
संदर्भ: बिहार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) अग्नि सुरक्षा गाइडलाइन 2026.

12. एक इलेक्ट्रिक ट्रेन पूर्व से पश्चिम की ओर जा रही है और हवा उत्तर से दक्षिण की ओर चल रही है। बताओ ट्रेन का धुआँ किस दिशा में जाएगा? (रीजनिंग)
उत्तर: किसी दिशा में नहीं
व्याख्या: यह एक तार्किक पहेली है। 'इलेक्ट्रिक ट्रेन' धुआँ नहीं छोड़ती है। प्रश्न में दी गई दिशाएं केवल भ्रमित करने के लिए हैं। यह प्रश्न बच्चों की एकाग्रता और शब्दावली पर बारीकी से ध्यान देने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: Logical Reasoning for School Students (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Unveil (अनवेल) = Reveal (रिवील) = अनावरण करना / प्रकट करना
Antonym – Conceal (कन्सील) = छिपाना
Vindicate (विन्डिकेट) = Justify (जस्टिफ़ाई) = निर्दोष सिद्ध करना
Antonym – Condemn (कन्डेम) = दोषी ठहराना
Wither (विधर) = Decay (डिके) = मुरझाना / नष्ट होना
Antonym – Flourish (फ्लरिश) = फलना-फूलना
Yearning (यर्निंग) = Longing (लॉन्गिंग) = तीव्र इच्छा
Antonym – Indifference (इन्डिफरेंस) = उदासीनता
Zenith (ज़ेनिथ) = Peak (पीक) = सर्वोच्च बिंदु
Antonym – Nadir (नेडिर) = सबसे निचला स्तर

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister addresses 'National Technology Day' eve; announces 'Mission Indradhanush 3.0' for AI-led immunization tracking across rural India.
प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' की पूर्व संध्या पर संबोधित किया; ग्रामीण भारत में एआई-आधारित टीकाकरण ट्रैकिंग के लिए 'मिशन इंद्रधनुष 3.0' की घोषणा की।

ISRO successfully test-fires 'Vikas-NG' engine for heavy-lift LVM3 rockets; achieves 15% more thrust efficiency for upcoming lunar missions.
इसरो ने भारी-लिफ्ट LVM3 रॉकेटों के लिए 'विकास-NG' इंजन का सफल परीक्षण किया; आगामी चंद्र मिशनों के लिए थ्रस्ट दक्षता में 15% की वृद्धि।

Ministry of Education and NCERT launch 'Vidya-Sangam' portal to facilitate real-time resource sharing between Kendriya Vidyalayas and State Schools.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने केंद्रीय विद्यालयों और राज्य के स्कूलों के बीच वास्तविक समय में संसाधन साझा करने हेतु 'विद्या-संगम' पोर्टल लॉन्च किया।

INTERNATIONAL NEWS

United Nations adopts 'Global Framework on AI Ethics'; mandates transparency in military and surveillance AI applications.
संयुक्त राष्ट्र ने 'एआई नैतिकता पर वैश्विक ढांचा' अपनाया; सैन्य और निगरानी एआई अनुप्रयोगों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना अब अनिवार्य होगा।

BBC News: G7 Nations pledge $40 Billion for 'Green Energy Corridors' in Southeast Asia to accelerate transition to Net-Zero.
बीबीसी न्यूज़: G7 देशों ने ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया में 'ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर' हेतु 40 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता जताई।

WHO reports 25% reduction in global Cervical Cancer cases following mass rollout of indigenous HPV vaccines in India and Africa.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट: भारत और अफ्रीका में स्वदेशी HPV टीकों के व्यापक वितरण के बाद वैश्विक सर्वाइकल कैंसर के मामलों में 25% की कमी।

BIHAR NEWS

Bihar Government signs MoU with IIT Patna to upgrade 100 Government Middle Schools into 'STEM Excellence Centres'.
बिहार सरकार ने 100 सरकारी मध्य विद्यालयों को 'STEM उत्कृष्टता केंद्रों' के रूप में अपग्रेड करने के लिए आईआईटी पटना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

SCERT Bihar launches 'Pratibha Khoj 2.0' digital portal for real-time tracking of NIPUN Bihar outcomes across 38 districts.
एससीईआरटी बिहार ने 38 जिलों में 'निपुण बिहार' के परिणामों की रीयल-टाइम ट्रैकिंग के लिए 'प्रतिभा खोज 2.0' डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया।

SPORTS NEWS

India clinches Gold at Asian Wrestling Championships 2026; Aman Sehrawat wins decisive final in Men's 57kg category.
भारत ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीता; अमन सहरावत ने पुरुषों की 57 किग्रा श्रेणी के निर्णायक फाइनल में जीत हासिल की।

BCCI announces 'Cricket for All' initiative; plans to build 50 high-tech mini-stadiums in Tier-3 cities and rural clusters by 2027.
बीसीसीआई ने 'क्रिकेट फॉर ऑल' पहल की घोषणा की; 2027 तक टियर-3 शहरों और ग्रामीण समूहों में 50 हाई-टेक मिनी-स्टेडियम बनाने की योजना।

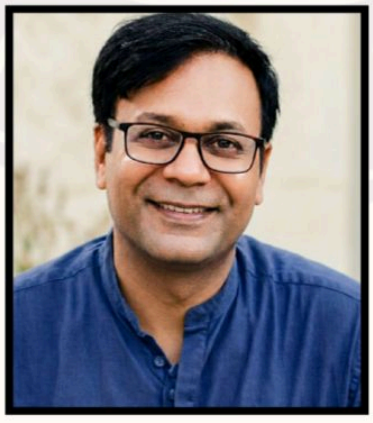

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ **संदेश:**

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"मानवता सबसे बड़ा धर्म"

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज विषय था—सेवा और मानवता।

सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने पूछा— "बच्चों, सच्ची मदद किसे कहते हैं?"

कुछ बच्चों ने कहा—"पैसे देना", तो कुछ ने—"जरूरतमंद की सहायता करना।"

मैडम जी मुस्कुराईं और बोलीं— "सच्ची मदद वही है, जो बिना किसी भेदभाव के दिल से की जाए।"

फिर उन्होंने एक घटना सुनाई—

एक दिन तेज बारिश के कारण शहर में बाढ़ जैसी स्थिति हो गई। कई लोग अपने घरों में फँस गए। सड़कें पानी से भर गईं और लोग घबराने लगे।

तभी राहत कार्य करने वाली एक टीम वहाँ पहुँची।

वे लगातार लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाने, भोजन बाँटने और घायल लोगों को प्राथमिक उपचार देने में जुट गए।

उस टीम में एक युवक था—अमन। उसने घंटों तक बिना आराम किए बच्चों और बुजुर्गों की मदद की।

एक बुजुर्ग ने भावुक होकर पूछा—

"बेटा, तुम हमें जानते भी नहीं, फिर इतनी मदद क्यों कर रहे हो?"

अमन मुस्कुराया और बोला—"मुसीबत में इंसानियत ही सबसे बड़ा रिश्ता होती है।"

यह सुनकर वहाँ खड़े सभी लोगों की आँखें नम हो गईं।

मैडम जी ने बच्चों से कहा— "बच्चों, विश्व रेड क्रॉस दिवस हमें यही सिखाता है कि मानवता, सेवा और करुणा सबसे बड़ी ताकत हैं।"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—"हम हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करेंगे।"

संदेश :"दूसरों की मदद के लिए बढ़ा हुआ हाथ ही सच्ची इंसानियत की पहचान है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

बहुभाषिकता और मातृभाषा — शिक्षा में जुड़ाव की पहली कड़ी

शिक्षक साथियों, क्या आपने कभी गौर किया है कि जब एक बच्चा स्कूल के पहले दिन अपनी 'घर की भाषा' या 'मातृभाषा' में बात करता है, तो उसके चेहरे पर एक अलग ही चमक होती है? लेकिन जैसे ही उस पर कोई 'अनजानी' भाषा थोपी जाती है, वह चुप हो जाता है और उसकी जिज्ञासा सहम जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) ने इस मनोवैज्ञानिक सत्य को स्वीकारा है कि बच्चा अपनी मातृभाषा या स्थानीय भाषा में सबसे तेजी से सीखता है। इसीलिए, कम से कम कक्षा 5 (और अधिमानतः कक्षा 8) तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा रखने पर विशेष बल दिया गया है।

बहुभाषिकता (Multilingualism) को अब एक बाधा नहीं, बल्कि एक 'संसाधन' (Resource) माना गया है। हमारी कक्षाओं में अलग-अलग बोलियाँ बोलने वाले बच्चे आते हैं। एक कुशल शिक्षक वह है जो इन विविध भाषाओं को कक्षा की संपत्ति मानता है। जब हम बच्चे की भाषा को कक्षा में सम्मान देते हैं, तो हम वास्तव में उस बच्चे की पहचान और उसकी संस्कृति को सम्मान दे रहे होते हैं। इससे बच्चे का 'आत्मविश्वास' बढ़ता है और वह बिना किसी डर के अपने विचार व्यक्त कर पाता है।

उदाहरण:

इसे हम अपने विद्यालय की एक साधारण स्थिति से समझते हैं। कल्पना कीजिए, कक्षा 2 में आप 'पालतू जानवरों' के बारे में पढ़ा रहे हैं। किताब में 'डॉग' (Dog) लिखा है। एक बच्चा उसे अपनी स्थानीय भाषा (जैसे भोजपुरी) में 'पिल्ला' कहता है। यदि शिक्षक उसे टोक दे कि "नहीं, यह पिल्ला नहीं, डॉग है," तो बच्चा कुंठित हो सकता है।

लेकिन, 'शिक्षक संवर्धन' के भाव वाला शिक्षक कहेगा— "हाँ बेटा, इसे हम घर पर पिल्ला कहते हैं, हिंदी में कुत्ता कहते हैं और अंग्रेजी में इसे 'डॉग' कहा जाता है।" यहाँ शिक्षक ने एक ही पल में बच्चे को तीन भाषाओं से जोड़ दिया। यहाँ 'पिल्ला' शब्द ने बच्चे के घर और स्कूल के बीच एक मजबूत 'पुल' (Bridge) का काम किया। अब वह बच्चा डरेगा नहीं, बल्कि नई भाषाओं को सीखने के लिए और अधिक उत्साहित होगा क्योंकि उसकी अपनी भाषा को कक्षा में 'जगह' मिली है।

शिक्षक साथियों, शोध बताते हैं कि जो बच्चे अपनी मातृभाषा में बुनियादी शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे आगे चलकर अन्य भाषाएँ (जैसे अंग्रेजी) भी अधिक प्रभावी ढंग से सीखते हैं। बहुभाषिकता बच्चों के 'संज्ञानात्मक विकास' (Cognitive Development) में भी मदद करती है; ऐसे बच्चे अधिक लचीले और रचनात्मक विचारक बनते हैं। एक शिक्षक के रूप में हमारी भूमिका यहाँ 'अनुवादक' की नहीं, बल्कि एक 'सुगमकर्ता' की है जो भाषा की दीवारों को गिराकर ज्ञान के द्वार खोलता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि भाषा केवल बातचीत का जरिया नहीं है, यह सोचने और समझने का माध्यम है। जब हम बच्चे की भाषा को स्वीकार करते हैं, तो हम उसके 'मस्तिष्क' के साथ-साथ उसके 'हृदय' को भी छू लेते हैं। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में बच्चों को अपनी 'सहज बोली' में बोलने की आजादी है? क्या आप उनकी भाषा का उपयोग ज्ञान को सरल बनाने में कर रहे हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या -49.

खेत से थाली तक का व्यवसाय – मैट्रिक के बाद 'फूड प्रोसेसिंग और प्रिजर्वेशन' में कैरियर

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

बिहार अपनी लीची, मखाना, आम और केले के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इन फलों को खराब होने से कैसे बचाया जाए या इनसे जैम, जूस और अन्य उत्पाद बनाकर कैसे बेचा जाए? इसी तकनीक को 'फूड प्रोसेसिंग और प्रिजर्वेशन' कहते हैं। यदि आपने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है, तो यह क्षेत्र आपको न केवल रोजगार देगा, बल्कि आपको एक सफल उद्यमी (Entrepreneur) भी बना सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

इस कोर्स में खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की विधियाँ, पैकेजिंग, गुणवत्ता जाँच और डिब्बाबंद उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाई जाती है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण।
- अवधि: 6 माह से 1 वर्ष (सर्टिफिकेट या डिप्लोमा)।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए कई विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं।

- प्रमुख संस्थान: राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता और प्रबंधन संस्थान (NIFTEM), और बिहार कृषि विश्वविद्यालय (BAU), सबौर के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण केंद्र। इसके अलावा, बिहार के कई ITI में भी 'फूड एंड वेवरेज' से संबंधित कोर्स उपलब्ध हैं।
- नामांकन: सीधे प्रवेश या कौशल विकास मिशन के माध्यम से।
- वेबसाइट: niftem.ac.in और industry.bihar.gov.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

खाद्य प्रसंस्करण भारत के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है:

- निजी क्षेत्र: ब्रिटानिया, नेस्ले, हल्दीराम जैसी बड़ी कंपनियों के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में 'क्वालिटी कंट्रोलर' या 'प्रोडक्शन सुपरवाइजर' के रूप में।
- सरकारी योजनाएं: बिहार सरकार की 'पीएम एफएमई' (PMFME) योजना के तहत छोटे स्तर पर अपना उद्योग लगाने के लिए भारी सहायता मिलती है।
- स्वरोजगार: आप मखाना प्रोसेसिंग, लीची जूस प्लांट या आचार-पापड़ का अपना ब्रांड शुरू कर सकते हैं। बिहार का मखाना अब वैश्विक बाजार तक पहुँच चुका है, जिसमें कुशल युवाओं की बहुत मांग है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए इस योजना का लाभ लिया जा सकता है।
- मुख्यमंत्री उद्यमी योजना: यदि आप इस क्षेत्र में अपना स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, तो बिहार सरकार ₹10 लाख तक की सहायता (जिसमें 50% अनुदान यानी सब्सिडी है) प्रदान करती है।
- वेबसाइट: udyami.bihar.gov.in

मेरी सलाह: बिहार में कच्चे माल (अनाज और फल) की कोई कमी नहीं है, कमी है तो बस उन्हें प्रोसेस करने वाले हुनरमंद युवाओं की। यदि आप अपनी मेहनत से स्थानीय उत्पादों को ब्रांड बनाना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए सर्वोत्तम है।

कल के पत्र (संख्या 50) में हम इंटरमीडिएट के बाद 'एयर होस्टेस और केबिन क्रू ट्रेनिंग' के माध्यम से आसमान की ऊंचाइयों में कैरियर की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

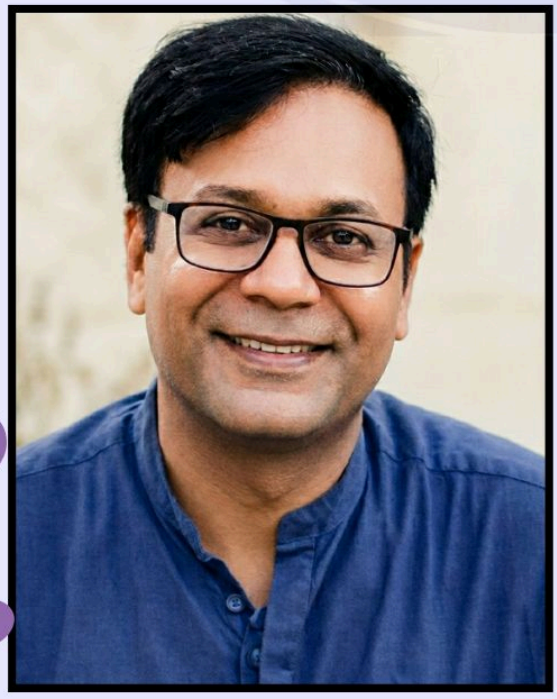

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org